मूल्य 1 रु.
वर्षः 16 - अंक : 174, मुंबई, गुरुवार, 19 नवंबर, 2026 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर



DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

अब 8 घंटे से ज्यादा काम पर मिलेगा दोगुना वेतन

महाराष्ट्र में नए वेतन नियम लागू

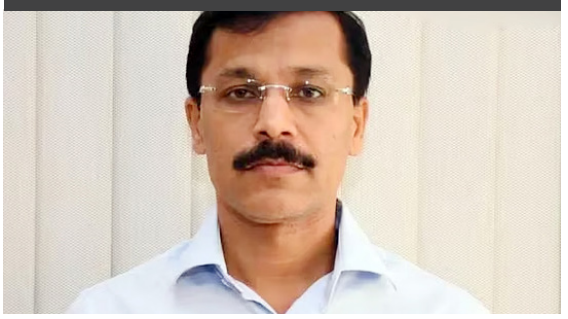


मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में कामगारों के वेतन और उनसे जुड़े अधिकारों को लेकर 'महाराष्ट्र वेतन नियम, 2026' अधिसूचित कर दिए हैं। ये नियम 5 नवंबर 2026 को राजपत्र में प्रकाशित होने के साथ पूरे राज्य में लागू हो गए हैं। इनमें न्यूनतम वेतन, काम के घंटे, साप्ताहिक छुट्टी, ओवरटाइम, वेतन कटौती और वेतन संबंधी रिकॉर्ड रखने के प्रावधान किए गए हैं। श्रम मंत्री एड. आकाश फुंडकर ने यह जानकारी दी। नए नियम वेतन संहिता, 2019 के तहत बनाए गए हैं। इनके लागू होने के बाद महाराष्ट्र न्यूनतम वेतन नियम, 1963 और महाराष्ट्र वेतन भुगतान नियम, 1963 को निरस्त कर दिया गया है। हालांकि, ये प्रावधान राज्य सरकार के कर्मचारियों के न्यूनतम वेतन पर लागू नहीं होंगे। नए नियमों के अनुसार, न्यूनतम वेतन दैनिक आधार पर तय किया जाएगा। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मुंबई के 9 मशहूर रेस्टोरेंट के लाइसेंस निलंबित

1.27 करोड़ रुपये का खाद्य सामान जब्त



मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता से खिलवाड़ करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) ने राज्यव्यापी अभियान चलाया है। इस कार्रवाई में मुंबई के 9 प्रसिद्ध रेस्टोरेंट समेत कुल 12 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। वहीं, अलग-अलग जिलों में छापेमारी के दौरान करीब 1.27 करोड़ रुपये का खाद्य भंडार जब्त किया गया। इसके अलावा कई दुकानों को कारोबार बंद करने के नोटिस जारी किए गए हैं। एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। एफडीए की टीम ने 17 नवंबर को दक्षिण मुंबई के 9 रेस्टोरेंट और खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान गंदगी, खराब भंडारण व्यवस्था, खुले में रखे खाद्य पदार्थ और किचन में कीड़े-मकौड़ों व चूहों की मौजूदगी जैसी खामियां मिलीं। कुछ जगहों पर कर्मचारियों के मेडिकल प्रमाणपत्र और जरूरी दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं थे। कार्रवाई के तहत कैफे आइडियल, चेतना रेस्टोरेंट, मियान कबाब्स, बेरोट, नेचुरल आइसक्रीम, श्रीयोग रेस्टोरेंट, गुप्ता फ्रूट जूस सेंटर, प्रकाश डोसा और सौरभ होटल्स के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। लाइसेंस निलंबन की अवधि में खाद्य पदार्थों की खरीद-बिक्री और वितरण पर रोक रहेगी। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मफलर मैन विवाद पर सुप्रिया सुले ने रोहित पवार से बनाई दूरी

छगन भुजबल की चेतावनी- महायुति देगी जवाब



मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में 'मफलर मैन' को लेकर शुरू हुआ विवाद अब नया राजनीतिक मोड़ ले रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने विधायक रोहित पवार के आरोपों को उनकी व्यक्तिगत राय बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रोहित पवार ने संबंधित प्रेस कॉन्फ्रेंस पार्टी के बैनर तले नहीं की थी। दूसरी ओर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) के वरिष्ठ नेता और मंत्री छगन भुजबल ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के खिलाफ बयानबाजी करने वालों को महायुति की ओर से एकजुट जवाब देने की चेतावनी दी है। रोहित पवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर वीएसआर कंपनी के मालिक और उनसे जुड़े कथित संबंधों को लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि कंपनी के मालिक को राजनीतिक संरक्षण मिल रहा है। इस बयान के बाद भाजपा ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेतृत्व से पार्टी का आधिकारिक रुख स्पष्ट करने की मांग की थी। सुप्रिया सुले ने कहा कि रोहित पवार की प्रेस कॉन्फ्रेंस उन्होंने पूरी नहीं देखी है। वह विमानन क्षेत्र की विशेषज्ञ भी नहीं हैं, **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मुंबई के प्रभादेवी में 101 निर्माणों पर चलेगा बुलडोजर

50 साल से रह रहे परिवारों पर बेघर होने का संकट



मुंबई। प्रभादेवी रेलवे स्टेशन के पश्चिमी हिस्से में रेलवे की जमीन पर बने 101 अतिक्रमित निर्माणों को हटाने के लिए पश्चिम रेलवे ने तैयारी पूरी कर ली है। गुरुवार और शुक्रवार यानी 19 और 20 नवंबर को तोड़क कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात किया गया है। हालांकि, इस कदम से पिछले 50 से 60 वर्षों से इलाके में रह रहे कई परिवारों के सामने बेघर होने का संकट खड़ा हो गया है। संत रोहिदास निवासी संघ ने निर्माण हटाने से पहले प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की मांग की है। पश्चिम रेलवे के सर्वेक्षण में प्रभादेवी स्टेशन के पश्चिमी हिस्से के दक्षिणी छोर पर रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण पाया गया था। इसके बाद रेलवे ने दिलीप सुखदेव समेत 100 अन्य लोगों के खिलाफ सार्वजनिक परिसर (अनधिकृत कब्जा हटाना) अधिनियम यानी पीपीई एक्ट के तहत कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की थी। रेलवे ने 22 फरवरी 2022 को संबंधित लोगों के खिलाफ प्रक्रिया शुरू करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किए थे। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

भारत को क्या आपत्ति!

फ्रेंच कंपनियों ने कहा है कि वे भारत में राफेल विमान के बड़े हिस्से का उत्पादन करने पर सहमत हुई हैं, लेकिन विमान के मूल डिजाइन, महत्तवपूर्ण तकनीक और संवेदनशील पुर्जों पर अपना नियंत्रण बनाए रखेंगी।

राफेल लड़ाकू विमान बनाने वाली कंपनी दसॉ एविएशन और इंजन निर्माता कंपनी सफ्रान ने साफ किया है कि वे भारत में विमान और उसके इंजन के बड़े हिस्से का उत्पादन करने पर सहमत हुई हैं, लेकिन विमान के मूल डिजाइन, महत्त्वपूर्ण तकनीक और इंजन के संवेदनशील पुर्जों पर अपना नियंत्रण बनाए रखेंगी। फ्रांस में इस संबंध में उठे सवालों पर इन कंपनियों ने यह स्पष्टीकरण दिया। इस क्रम में यह मुद्दा फिर उठा है कि फ्रांस किस हद तक भारत को तकनीक ट्रांसफर के लिए राजी हुआ है? पहले दोनों देशों की सरकारों की तरफ से कहा गया था कि दसॉ भारत को टेक्नोलॉजी भी देगी। लेकिन अब इसका मतलब बताया गया है यह प्रक्रिया सिर्फ विमान के पुर्जे बनाने, ढांचा तैयार करने, इंजन असेंबल करने और रखरखाव तक सीमित होगी। ये कंपनियां अपनी गोपनीय और संवेदनशील तकनीकों- मसलन, सॉफ्टवेयर का सोर्स कोड, रडार का एल्गोरिदम, और इंजन के सबसे अहम अंदरूनी हिस्सों से जुड़ी तकनीक भारत को नहीं देंगी। यानी कंपनियों ने एक 'लक्ष्मण रेखा' तय कर दी है। अब यह भारत सरकार पर है कि इस बारे में अपना रुख बताए। उसे देशवासियों को बताना चाहिए 114 विमानों की खरीद का करार होते वक्त क्या सहमति बनी थी? वैसे संभव है कि फ्रेंच कंपनियों की तरफ दी गई सफाई भारत सरकार के लिए कोई बड़ा मुद्दा नहीं हो। इसलिए कि पिछले हफ्ते ही विशाखापत्तनम में आयोजित सीआईआई पार्टनरशिप समिट में विदेशी निवेशकों को संबोधित करते हुए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि "हम आपसे प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की मांग नहीं करते, और ना ही तकनीक चुराते हैं।" इसके पहले वे नीदरलैंड्स में संदेश दे चुके थे कि भारत में कर्मचारियों के काम के घंटे या दिन तय नहीं होते! यानी विदेशी निवेशकों को उनकी शर्तों पर लुभाना फिलहाल भारत सरकार की प्राथमिकता है। निवेश के डॉलर से व्यापार घाटे की भरपाई और कुछ नौकरियां पैदा होने के लक्ष्य से वह संतुष्ट है। लेकिन दीर्घकालिक एवं आत्म-निर्भर विकास के नजरिए से यह भारतवासियों की प्राथमिकता नहीं हो सकती।

केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग से दहला कानपुर, करोड़ों का नुकसान बुझाने के बाद जांच शुरू

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां लगी भीषण आगने पूरे जिले को दहला दिया। इस अग्निकांड में करोड़ों का नुकसान होने का अनुमान है। बुझाने के बाद इस अग्निकांड में किसी की साजिश होने की आशंका के फल स्वरुप आज से इसकी जांच भी शुरू कर दी गई है। भीषण अग्निकांड की यह घटना और महाराजपुर थाना क्षेत्र के रूमा इंडस्ट्रियल एरिया में हुई, जहां स्थित केमिकल फैक्ट्री में बीती मंगलवार रात अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने के दौरान एक के बाद एक एथेनॉल भरा टैंकर फटा तो पूरी फैक्ट्री आग का गोला बन गई और धमाके से पूरा इलाका दशहत में आ गया। आग की लपटें कई कमी. दूर तक देखी जाने लगी। एक के बाद एक जिले भर के सभी फायर स्टेशनों की 18 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने चौतरफा घेराबंदी करके पानी की बौछार मारना शुरू किया। करीब 4 घंटे की मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया जा सका। महाराजपुर के रूमा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित केमिकल बनाने वाली फैक्ट्री निकोलस पिगमेंट लगी यह आज तब और ज्यादा भड़की जब 20 हजार लीटर इथेनॉल भरे टैंकर में भी आग लग गई। इसके बाद जाजमऊ, मीरपुर फायर स्टेशन के साथ ही फजलंज, कर्नलगंज, लाटूश रोड किदवई नगर समेज जिले की सभी फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को मौके पर बुलाया।

लपटें तेज होने के चलते फायर ब्रिगेड की टीम को आग पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। फैक्ट्री के चारों तरफ से घेराबंदी करके पानी की बौछार की गई और आग पर काबू पाया। करीब 3 से 4 घंटे में आग पर फायर ब्रिगेड ने काबू पाया। इन टैंकरों में विस्फोट की आंशका के चलते आसपास की फैक्ट्रियों को भी खाली करा लिया गया। फैक्ट्री से 500 मीटर दूर बस्ती के लोगों को भी एहतियातन पुलिस ने बाहर निकाला। पुलिस के मुताबिक फैक्ट्री में दिन का शिफ्ट होने के बाद कर्मचारियों की छुट्टी हो गई थी, इसलिए अंदर कोई कर्मचारी नहीं था। फैक्ट्री के गार्ड आग लगने के बाद बाहर निकल आए। इस वजह से अग्निकांड में एक बार फिर लोगों की जान बची, अगर फैक्ट्री के भीतर कर्मचारी होते तो शायद बहुत बड़ी घंटना होती।रूमा इंडस्ट्रियल एरिया में केमिकल फैक्ट्री की आग इतनी भयावह थी कि पब्लिक ही नहीं पुलिस और फायर ब्रिगेड के अफसर और कर्मचारियों के भी हाथ-पैर फूल गए। लेकिन इसके बाद भी फायर ब्रिगेड की टीम पीछे नहीं हटी, कानपुर के साथ ही आसपास के जिलों से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलाई गईं। इसके बाद एसडीआरएफ और पीएसी की एक बटालियन को भी बुलाया गया।

सात चक्र, योग और ध्यान के जरिए विद्यार्थियों को दिया मानसिक एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन

अमेठी। धरई माफी स्थित महात्मा शिव कुमार इंटर कॉलेज में विद्यालय के संस्थापक महात्मा प्रसाद पाठक की जयंती के अवसर पर विशेष शैक्षिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मुंबई से आए दार्शनिक चिंतक एवं लेखक डॉ. रमाकांत तिवारी 'क्षितिज' ने छात्र-छात्राओं को मानसिक, शैक्षिक तथा किशोरावस्था से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। डॉ. क्षितिज ने विद्यार्थियों को सात चक्रों की साधना, योग और ध्यान के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि योग और ध्यान के नियमित अभ्यास से विद्यार्थियों में एकाग्रता, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित करने में मदद मिलती है। उन्होंने किशोरावस्था में होने वाले मानसिक और भावनात्मक बदलावों को समझने तथा उनका सकारात्मक तरीके से सामना करने के उपाय भी बताए। कार्यक्रम को रोचक और



प्रभावशाली बनाने के लिए बीच-बीच में संगीत का सहारा लिया गया। संगीत, ध्यान और आध्यात्मिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को आत्मचिंतन और आंतरिक शांति का अनुभव कराने का प्रयास किया गया। छात्र-छात्राओं ने भी कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यालय के प्रबंधक जयप्रकाश पाठक ने डॉ. रमाकांत क्षितिज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले विद्यालय के शिक्षकों एवं सहयोगियों की सराहना की। उल्लेखनीय है कि डॉ. रमाकांत तिवारी 'क्षितिज' मुंबई में रहते हैं, लेकिन जब भी अमेठी आते हैं तो बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों से जुड़े सांस्कृतिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी करते हैं। उनके इन प्रयासों की क्षेत्र में चर्चा होती रहती है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक जयप्रकाश पाठक, प्रधानाचार्य कैलाश नाथ उपाध्याय, विजय कुमार यादव, श्यामलाल शुक्ला, अभिषेक कुमार पांडेय, मृदुल तिवारी, रितेश कुमार, राकेश कुमार यादव, आशीष कुमार यादव, राधिका यादव,पत्रकार शशिकांत तिवारी, श्रीकांत तिवारी, यश रोहित, मोहित, हमीद खान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अपोलो माइक्रो सिस्टम्स की ए-थॉन ऑलटेरेन में 26% हिस्सेदारी खरीदने की योजना

मुंबई। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स लिमिटेड की सहायक कंपनी ने ए-थॉन ऑलटेरेन में 26 प्रतिशत तक हिस्सेदारी हासिल करने के लिए बाध्यकारी आशय पत्र (EOI) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह कदम कंपनी की डिफेन्स इलेक्ट्रॉनिक्स से आगे बढ़कर ग्राउंड मोबिलिटी और उन्नत रक्षा प्लेटफॉर्म के क्षेत्र में विस्तार की रणनीति का हिस्सा है। ए-थॉन ऑलटेरेन कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में इस्तेमाल होने वाले ऑल-टेरेन वाहनों के क्षेत्र में कार्यरत है। इस निवेश से अपोलो माइक्रो सिस्टम्स को रक्षा परिवहन, लॉजिस्टिक्स और मिशन सपोर्ट से जुड़े नए समाधान विकसित करने का अवसर मिल सकता है। हालांकि, यह सौदा आवश्यक मंजूरियों, जांच और अंतिम समझौतों पर निर्भर करेगा। सिस्टेमैटिक्स इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में कंपनी का समेकित राजस्व 72 प्रतिशत बढ़कर करीब 388 करोड़ रुपये पहुंच गया। इस दौरान EBITDA मार्जिन 28.6 प्रतिशत रहा। आईडीएल एक्सप्लोसिव्स के एकीकरण ने भी कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन को मजबूती दी। इसके अलावा, कंपनी ने अगस्त 2026 में शौर्यास्त्र डिफेन्स सिस्टम्स की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य उन्नत हथियार प्रणालियों का विकास करना है। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स अब स्वदेशी रक्षा तकनीक, हथियार प्रणालियों और ग्राउंड मोबिलिटी के क्षेत्र में अपनी भागीदारी बढ़ाकर भारतीय रक्षा विनिर्माण बाजार में मजबूत स्थिति बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

घरफोड़ी में चोरी गया 4.20 लाख का सोना पुलिस ने बरामद कर मालिक को लौटाया

सिंधी कॉलोनी का मामला; 30 ग्राम सोने के आभूषण मूल मालिक को सौंपे

बुलढाणा। खामगांव शहर की सिंधी कॉलोनी में हुई घरफोड़ी की वारदात का खुलासा करते हुए खामगांव पुलिस ने चोरी गया करीब 4.20 लाख रुपये कीमत का 30 ग्राम सोना बरामद कर मूल मालिक को लौटा दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से नागरिकों में संतोष व्यक्त किया जा रहा है। सिंधी कॉलोनी निवासी चंद्रलाल होतवाणी अपने परिवार के साथ बाहरगांव गए हुए थे। इसी दौरान 24 जनवरी 2026 की मध्यरात्रि अज्ञात चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर सोने के आभूषण चुरा लिए थे। इस प्रकरण में होतवाणी ने खामगांव शहर थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई



थी। मामले की जांच में जुटी पुलिस ने मुख्य आरोपी संजयसिंह भाधा (रा. जालना) को गिरफ्तार किया। उसके पास से चोरी किए गए 30 ग्राम सोने के आभूषण, जिनकी बाजार कीमत लगभग 4 लाख 20 हजार रुपये है, जब्त किए गए। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद 18 नवंबर 2026 को दोपहर 2.30 बजे शहर पुलिस स्टेशन में थाना प्रभारी सुरेंद्र अहेरकर व पुलिस हेड कांस्टेबल संतोष इटमलू की उपस्थिति में जब्त किए गए सोने के आभूषण मूल मालिक चंद्रलाल होतवाणी को सुपुर्द किए गए। पुलिस की त्वरित जांच के कारण चोरी गया माल वापस मिलने पर होतवाणी ने संतोष व्यक्त किया और पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया

न्यायालयीन कर्मचारियों की हड़ताल तेज, बुलढाणा में 600 से अधिक कर्मचारी शामिल



बुलढाणा। शासन की उपेक्षा से नाराज महाराष्ट्र के न्यायालयीन कर्मचारियों का आंदोलन दूसरे दिन भी जारी रहा। बुलढाणा जिले में 600 से अधिक कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं, जिससे सभी 13 तालुकाओं के न्यायालयों का कामकाज प्रभावित हुआ है। कर्मचारियों की प्रमुख मांग 2023 के शासन निर्णय के अनुसार संशोधित वेतनश्रेणी लागू करना है। बार-बार ज्ञापन देने के बावजूद मांगों पर निर्णय नहीं होने से कर्मचारियों में नाराजगी है। महाराष्ट्र राज्य न्यायालयीन कर्मचारी संगठन (ग्रेड-सी) के अध्यक्ष दिगंबर निकम ने नाशिक में अनशन शुरू किया है। उनके समर्थन में बुलढाणा के कर्मचारियों ने न्यायालय परिसर में नारेबाजी और प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक संशोधित वेतनश्रेणी लागू नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा और जरूरत पड़ने पर इसे प्रदेशव्यापी स्तर पर तेज किया जाएगा।

बसर्गे बुद्रुक में रेशम कीट पालन केंद्र का उद्घाटन, किसानों को मिलेगा लाभ

सांगली/महाराष्ट्र। कोल्हापुर जिले की गडहिंग्लज तहसील के बसर्गे बुद्रुक में वैष्णवी रेशम बाल कीट संगोपन केंद्र एवं रेशम कौशल विकास कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व सांसद एवं किसान नेता राजू शेट्टी के हाथों संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारती विद्यापीठ के कृषि एवं उद्यानविद्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अधिकराव जाधव ने की। इस अवसर पर संभागीय कृषि अधीक्षक अजय कुलकर्णी, विट्ठल फड़, केंद्रीय रेशम बोर्ड के वैज्ञानिक डॉ. सुनील राठौड़, जिला रेशम विकास अधिकारी राजेश कांबळे, डॉ. भगवान खंडागळे, प्रोफेसर कुराडे और प्रोफेसर गोविंद शिउरकर उपस्थित रहे। राजू शेट्टी ने रेशम किसानों के विकास के लिए हरसंभव सहयोग का



आश्वासन दिया। डॉ. जाधव ने कहा कि रेशम उत्पादन किसानों के लिए नियमित आय का बेहतर माध्यम बन सकता है। केंद्र प्रमुख विशाल हजारे ने किसानों को गुणवत्तापूर्ण रेशम कीट उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताई। इस कार्य में दीप्ति हजारे भी सहयोग कर रही हैं। कार्यक्रम में 30 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने शहतूत की खेती, रेशम कीट पालन, कोकून उत्पादन और मधुमक्खी पालन परियोजनाओं का निरीक्षण कर व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की।

धूम्रपान से COPD का खतरा, समय पर जांच और इलाज जरूरी : विशेषज्ञ

मुंबई/दिल्ली। धूम्रपान क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (COPD) का प्रमुख कारण है। विशेषज्ञों ने विश्व COPD दिवस के अवसर पर लोगों को धूम्रपान छोड़ने, समय पर जांच कराने और फेफड़ों की सेहत के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी है। विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार खांसी, कफ और सांस लेने में परेशानी COPD के प्रमुख लक्षण हैं। स्पिरोमेट्री जांच से बीमारी की समय पर पहचान और उचित इलाज में मदद मिलती है। दिल्ली के बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के डॉ. पवन गुप्ता ने कहा कि शुरुआती लक्षणों को उम्र या धूम्रपान का सामान्य असर समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। वहीं, माता चानन देवी हॉस्पिटल के डॉ. चंद्रमणि पंजाबी ने धूम्रपान की लत छोड़ने के लिए काउंसलिंग और वैज्ञानिक तरीकों पर जोर दिया। विशेषज्ञों ने बताया कि धूम्रपान के अलावा वायु प्रदूषण, घर के अंदर का धुआं और कार्यस्थलों की धूल भी COPD का कारण बन सकती है। बीमारी का खतरा कम करने के लिए जागरूकता के साथ समय पर जांच और इलाज जरूरी है।



अनिल गलगली को 'द्वितीय लल देद साहित्य पुरस्कार 2026' प्रदान

मुंबई। मराठी पत्रकार संघ में आयोजित विशेष समारोह में पत्रकार एवं सूचना अधिकार कार्यकर्ता अनिल गलगली को आफ्टरनून वॉइस की ओर से प्रदान किया जाने वाला 'द्वितीय लल देद साहित्य पुरस्कार 2026' महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं शिवसेना पक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे के हाथों प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. वैदेही तामण द्वारा लिखित पुस्तक 'लल देद : कश्मीर की मां' का विमोचन भी उद्धव ठाकरे के हाथों किया गया। कार्यक्रम में मुंबई विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरु डॉ. भालचंद्र मुणगेकर की विशेष उपस्थिति रही।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मुंबई के 9 मशहूर रेस्टोरेंट के लाइसेंस निलंबित

कोकण विभाग के ठाणे जिले में भी तीन प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई हुई। इनमें पांचपाखाड़ी स्थित ब्लिंक कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड, जीबी रोड स्थित ब्रोदयामा फूड्स एलएलपी और मुंब्रा का सागर स्वीट एंड बेकरी शामिल हैं। पुणे जिले के मावल में एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड के यहां से 20,085 लीटर घटिया और भ्रामक लेबल वाले खाद्य तेल को जब्त किया गया। इसकी कीमत 50,27,893 रुपये बताई गई है। नागपुर के वैशाली नगर में चापरे रोस्टिंग वर्क और न्यू माधव रोस्टिंग पर छापेमारी के दौरान 25,357 किलोग्राम मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई सुपारी जब्त की गई। इसकी कीमत 75,19,654 रुपये है। पुणे शहर की माणिकबाग खाऊ गली में बिना लाइसेंस और अस्वच्छ परिस्थितियों में कारोबार करने वाले छह प्रतिष्ठानों को बंद करने का नोटिस दिया गया।

मुंबई के प्रभादेवी में 101 निर्माणों पर चलेगा बुलडोजर

मामले की सुनवाई और अंतिम मौखिक दलीलें पूरी होने के बाद 12 अक्टूबर 2026 को झोपड़े खाली करने के आदेश दिए गए। ये आदेश 15 से 17 अक्टूबर के बीच संबंधित लोगों को सौंपे गए। इसके बाद 14 नवंबर को अतिक्रमित जगह पर सार्वजनिक सूचना लगाकर 19 और 20 नवंबर को कार्रवाई किए जाने की जानकारी दी गई। तोड़क कार्रवाई के दौरान किसी तरह की अप्रिय घटना या कानून-व्यवस्था की समस्या न हो, इसके लिए पश्चिम रेलवे ने पुलिस सुरक्षा मांगी है। मुंबई रेलवे प्रशासन ने कार्रवाई की तैयारियां पूरी कर ली हैं और तय तारीखों पर निर्माण हटाए जाएंगे। इस कार्रवाई से प्रभावित परिवारों का कहना है कि वे पिछले पांच से छह दशकों से इस इलाके में रह रहे हैं। ऐसे में निर्माण हटाए जाने से उनके सामने आवास का गंभीर संकट खड़ा हो सकता है।

अब 8 घंटे से ज्यादा काम पर मिलेगा दोगुना वेतन

दैनिक वेतन को 8 से भाग देकर प्रति घंटे का वेतन निकाला जाएगा, जबकि दैनिक दर को 26 से गुणा करके मासिक वेतन की गणना होगी। वेतन में मूल वेतन, महंगाई भत्ता और रिटेनिंग भत्ता शामिल होंगे। महंगाई भत्ते में साल में दो बार, 1 अप्रैल और 1 अक्टूबर से संशोधन किया जाएगा। महाराष्ट्र सरकार ने नियमों के तहत सामान्य कार्यदिवस 8 घंटे का होगा और सप्ताह में कुल काम 48 घंटे से अधिक नहीं होना चाहिए। प्रत्येक कर्मचारी को साप्ताहिक अवकाश देना नियोक्ता के लिए अनिवार्य होगा। छुट्टी के दिन काम कराने पर कर्मचारी को वैकल्पिक अवकाश देना होगा।

मफलर मैन विवाद पर सुप्रिया सुले ने रोहित पवार से बनाई दूरी

इसलिए तकनीकी पहलुओं पर टिप्पणी नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री के समक्ष जांच को लेकर की गई मांग के बाद अब संबंधित रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए। परिसीमन यानी डीलिमिटेशन के मुद्दे पर सुप्रिया सुले ने कहा कि पार्टी में वरिष्ठ नेता जितेंद्र आव्हाड की राय को हमेशा महत्व दिया जाता रहा है। इस विषय पर आगे भी उनसे विचार-विमर्श किया जाएगा।

खबर संक्षेप

ऑस्ट्रेलिया में वीजा के लिए पंजीयन 1 दिसंबर से

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के डिपार्टमेंट ऑफ होम अफेयर्स के मुताबिक, वर्किंग हॉलिडे मेकर वीजा के लिए



रजिस्ट्रेशन 1 दिसंबर 2026 से शुरू हो रहे हैं। कोई भी रजिस्ट्रेशन कर सकता है, भले ही आवेदक ने अभी तक अपना निर्धारित काम पूरा नहीं किया हो। वीजा के लिए इनविटेशन का पहला राउंड जनवरी 2027 के मध्य में होने की उम्मीद है। चुने गए आवेदकों को 'नेक्स्ट ईयर रीजनल वर्क गारंटी' मिलेगी। इससे वे निर्धारित काम सहित सभी शर्तों को पूरा करने के बाद अगले वीजा के लिए अप्लाई कर सकेंगे।

इंडोनेशिया हवाई अड्डे की बिजली गुल, उड़ानें रद्द

बाली। इंडोनेशिया के बाली स्थित नगुराह राय हवाई अड्डे पर बुधवार दोपहर अचानक बिजली गुल हो गई। इससे सारे



कंप्यूटर सिस्टम ठप पड़ गए। इस वजह से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली गुल होने से हवाई अड्डे के चेक इन काउंटरों पर यात्रियों की लंबी कतारें हैं। सिस्टम ठप होने से यात्री चेक इन नहीं कर पा रहे हैं। इस वजह से बाली से जाने वाली उड़ानों में भी देरी आ रही है। गर्मी और उमस की वजह से यात्रियों को एयरपोर्ट परिसर के अंदर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

चीन के शेनझेन में हो रही एपीईसी समिट में तीन आर्थिक महाशक्तियों का मिलन

चीनी राष्ट्रपति ने पहली बार तोड़ा प्रोटोकॉल डोनाल्ड ट्रंप का स्वागत करने खुद ही पहुंचे

संवाददाता / नई दिल्ली

एपीईसी समिट से इतर ट्रंप की जिनपिंग के साथ अलग से द्विपक्षीय बैठक भी होगी। दोनों नेताओं के बीच व्यापार, टैरिफ, चीन की ओर से अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद और रेयर अर्थ की सप्लाई जैसे मुद्दों पर बातचीत हो सकती है

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एपीईसी समिट के स्वागत डिनर में एक साथ नजर आए। तीनों नेताओं के बीच गुरुवार को त्रिपक्षीय बैठक होगी। इसमें ईरान युद्ध और परमाणु हथियारों के इस्तेमाल समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप बुधवार को चीन के शेनझेन पहुंचे। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने प्रोटोकॉल तोड़कर एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया।

ऐसा पहली बार हुआ है जब जिनपिंग किसी विदेशी नेता को रिसीव करने खुद एयरपोर्ट पहुंचे। आमतौर पर इस तरह की जिम्मेदारी दूसरे अधिकारी निभाते हैं। एपीईसी समिट से इतर ट्रंप की जिनपिंग के साथ अलग से द्विपक्षीय बैठक भी होगी। दोनों नेताओं के बीच व्यापार, टैरिफ, चीन की ओर से अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद और रेयर अर्थ की सप्लाई जैसे मुद्दों पर बातचीत हो सकती है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने वाशिंगटन के साथ 'रचनात्मक और रणनीतिक रूप से स्थिर संबंध' बनाने की इच्छा जताई है। इसके अलावा, ट्रंप की गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग के साथ त्रिपक्षीय बैठक भी होनी है।



एपीईसी के सदस्य अर्थव्यवस्थाओं का समूह फोटो

ईरान जंग और परमाणु हथियारों के इस्तेमाल जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी



शी जिनपिंग और डोनाल्ड ट्रंप एक दूसरे को गले लगाते हुए

21 सदस्य अर्थव्यवस्थाओं का मंच है एपीईसी

एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) प्रशांत क्षेत्र की 21 सदस्य अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर-सरकारी मंच है, जिसका मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है। इसकी स्थापना ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा में नवंबर 1989 में हुई थी। इसका मुख्यालय सिंगापुर है। सदस्य देशों की अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक जीडीपी का लगभग 60% हिस्सा प्रतिनिधित्व करती हैं। एपीईसी राजनीतिक संप्रभुता के बजाय आर्थिक सहयोग पर ध्यान केंद्रित करके के लिए अपने सदस्यों को 'देश' के बजाय 'अर्थव्यवस्थाएं' कहता है। 21 सदस्य अर्थव्यवस्थाओं में ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, कनाडा, चिली, चीन, हांगकांग, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, मेक्सिको, न्यूजीलैंड, पापुआ न्यू गिनी, पेरू, फिलीपींस, रूस, सिंगापुर, चीनी ताइपे (ताइवान), थाईलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका और वियतनाम शामिल हैं।

अमेरिका से रिश्ते बेहतर होंगे: जिनपिंग

जिनपिंग ने ट्रंप से कहा कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच बातचीत से रिश्ते बेहतर होंगे और उनमें स्थिरता आएगी। जिनपिंग ने कहा कि दोनों देशों को एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए और मिलकर काम करना चाहिए। जिनपिंग ने सितंबर में अपनी अमेरिका यात्रा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस दौरान ट्रंप और उनकी पत्नी खुद एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने पहुंचे थे। जिनपिंग ने कहा कि चीन ने भी ट्रंप का स्वागत करके उसी परंपरा को आगे बढ़ाया है।



पुतिन और जिनपिंग के बीच हुई बात

ट्रंप के पहुंचने से कुछ घंटे पहले, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शेनझेन पहुंच गए थे। पुतिन और शी जिनपिंग के बीच बातचीत हुई, जिसमें रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि दोनों देशों की विदेश नीति की रणनीति सही दिशा में काम कर रही है।

ट्रंप के चीन दौरे के बीच बड़ा फैसला

'एनवीडिया' ने बीजिंग को एआई चिप भेजना बंद किया

संवाददाता / नई दिल्ली

दुनिया की सबसे बड़ी चिप कंपनी एनवीडिया ने चीन को पावरफुल एआई चिप भेजने पर रोक लगा दी है। कंपनी के पूर्व सीईओ जेन्सेन हुआंग के इस्तीफे के बाद यह फैसला लिया गया है। यह रोक ऐसे समय लगाई गई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन के दौरे पर हैं। एनवीडिया की अंतरिम सीईओ कोलेट क्रेस ने तिमाही नतीजों के दौरान यह जानकारी दी।



कोलेट क्रेस

पूर्व सीईओ जेन्सेन हुआंग के इस्तीफे के बाद कोलेट क्रेस को कंपनी का अंतरिम सीईओ बनाया गया है। कंपनी के इस फैसले से अलीबाबा, टेनसेंट और टिकटॉक की पेरेंट कंपनी बाइटडांस समेत 10 बड़ी चीनी कंपनियों के एआई प्रोजेक्ट्स पर असर पड़ेगा।

एनवीडिया का चीन के एआई चिप बाजार में करीब एक-तिहाई हिस्सा है। यानी हर 3 में से 1 चिप इसी कंपनी की बिकती है। 2026 की पहली छमाही के आंकड़ों के मुताबिक, चीन में इस्तेमाल होने वाली एआई चिप्स में एनवीडिया की हिस्सेदारी करीब 34% थी।

पिछली तिमाही में 22.43 करोड़ के चिप बेचे थे

कंपनी ने बताया कि 25 अक्टूबर को खत्म हुई पिछली तिमाही में कंपनी ने चीन को करीब 22.43 हजार करोड़ रुपए (2.4 बिलियन डॉलर) के एआई डेटा सेंटर चिप्स बेचे थे, लेकिन अब आगे सप्लाई भेजने की कोई योजना नहीं है। इस फैसले से अमेरिका और चीन के बीच हुए विशेष चिप समझौते के भविष्य पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। कोलेट क्रेस ने यह साफ नहीं किया है कि एनवीडिया ने इन चिप्स की सप्लाई क्यों रोकी है और क्या यह रोक हमेशा के लिए रहेगी। बता दें कि कंपनी को 'हॉपर सीरीज' में एच200 जैसे बेहद ताकतवर चिप शामिल हैं। इनका इस्तेमाल बड़े एआई सिस्टम (जैसे चैटबॉट्स) को तैयार करने और चलाने के लिए किया जाता है। अमेरिका ने 2022 में चीन को एडवांस एआई चिप बेचने पर रोक लगा दी थी। लेकिन पिछले साल चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चुनिंदा चीनी कंपनियों को एच200 चिप बेचने की इजाजत दे दी।

जेन्सन हुआंग बोले- वापसी को तैयार

कैलिफोर्निया। एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग पद पर वापसी के लिए तैयार हैं। उन्होंने इन्वेस्टेक के बाद मंगलवार को पहली बार 'एक्स' पर पोस्ट कर ब्यान जारी किया। अपने पोस्ट में हुआंग ने लिखा कि अगर बोर्ड फैसला करता है कि मेरी वापसी शेयरहोल्डर्स, कर्मचारियों, कंपनी और अमेरिका के हित में है, तो मैं उस अपीलों का जवाब देने और सीईओ के रूप में लौटने पर सम्मानित महसूस करूंगा। हालांकि, एनवीडिया के चेयरमैन ने साफ कर दिया है कि बोर्ड का जेन्सन हुआंग को फिर से सीईओ बनाने का कोई इरादा नहीं है।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी में राहुल के भारत की अर्थव्यवस्था वाले बयान पर भाजपा हमलावर

राहुल गांधी को बताया भारत का एक 'शातिर' 'मीर जाफर','भारत विरोधी दुष्प्रचार का नेता'

संवाददाता / नई दिल्ली

अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर दिए गए राहुल गांधी के बयान पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी विदेशी यात्रा पर कोलंबिया की यूनिवर्सिटी में एक साजिश के तहत भारत को बदनाम करने के लिए अनर्गल बयान, झूठे वक्तव्य और बेबुनियाद बातें कहते हैं, जिससे देश का हर नागरिक आज शर्मसार है। उन्होंने कहा कि अराजकता के प्रतीक, अपरिपक्व, भारत से नफरत करने वाले राहुल जब भी विदेशी धरती पर जाते हैं, तो झूठे बयान देते हैं। उनकी मंशा भारत की प्रगति को ठेस पहुंचाना और भारत की मजबूत अंतरराष्ट्रीय छवि को कमजोर करना है। राहुल अपरिपक्व हैं, यह हर कोई जानता है। लेकिन जब नेता प्रतिपक्ष होते हुए वे विदेशी धरती पर ऐसे जहरीले बोल बोलते हैं, तो पता चलता है कि वे भारत विरोधी हैं, एक शातिर व्यक्ति हैं और भारत के मीर जाफर हैं। जब भी संसद का सत्र होने वाला होता है, राहुल जरूर विदेशी धरती पर जाते हैं। क्या यह वे अपने विदेशी आकाओं से मार्गदर्शन प्राप्त कर सके।

वे विदेशों में भारत को बदनाम करने के लिए अनर्गल बयान, झूठे वक्तव्य और बेबुनियाद बातें कर रहे, गलत आरोप लगाए

विपक्ष के नेता पर भाटिया ने किया हमला बाहर जहरीले बोल बोलते हैं



भारत को एक 'आर्थिक आपदा' के रूप में पेश किया

भाजपा ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर टिप्पणी को लेकर राहुल की आलोचना की और कहा कि वह 'भारत विरोधी दुष्प्रचार के नेता' हैं जो विदेशी धरती पर बार-बार देश की छवि खराब करने की कोशिश करते हैं। कई वैश्विक एजेंसियां भारत को सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक मानती है लेकिन गांधी भारत को एक 'आर्थिक आपदा' के रूप में पेश करने में जुटे हैं।

केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा

भारत को बदनाम करने को अपना पसंदीदा राजनीतिक शौक बना लिया

राहुल अंशकालिक नेता, हर समय निराशा फैलाने वाले व्यक्ति

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने अर्थव्यवस्था के बारे में बयानों को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे 'अंशकालिक नेता हैं, हर समय निराशा फैलाने वाले व्यक्ति हैं। राहुल जब भी विदेश यात्रा पर जाते हैं, तो उनका 'भारत विरोधी प्रचार' एक नए देश तक पहुंच जाता है। अर्थव्यवस्था को लेकर जारी अनुमानों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि राहुल नभारत को बदनाम कर रहे।



भारत विरोधी प्रचार करने से कभी नहीं थकते

जोशी ने पोस्ट में कहा, जब भी राहुल विदेश यात्रा करते हैं, तो उनका भारत विरोधी प्रचार एक नए स्तर पर पहुंच जाता है। अंशकालिक नेता और निराशा फैलाने वाले व्यक्ति राहुल ने बेशर्मी से भारत को 'आर्थिक आपदा' की ओर बढ़ने वाला देश बताया है।

भंडारी ने भी साधा निशाना

भारत की प्रगति और लोकतंत्र को लेकर नकारात्मक बातें की

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने एक्स पर पोस्ट कर राहुल को 'भारत विरोधी प्रचार का नेता' बताते हुए आरोप लगाया कि वे विदेश जाकर देश की छवि खराब कर रहे हैं। भारत की प्रगति और लोकतंत्र को लेकर नकारात्मक बातें करते हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और वैश्विक स्तर पर भारतीय लोकतंत्र का सम्मान किया जाता है।



विदेशों में लोकतंत्र की आलोचना की

भंडारी ने कहा कि प्रधानमंत्री विदेश दौरों पर हमेशा भारत के राष्ट्रीय हितों और तिरंगे के सम्मान को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने राहुल गांधी के बयान की तुलना पीएम मोदी के व्यवहार से की। भंडारी ने एक वीडियो में दावा किया कि क्वाड जैसे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान जमीन पर गिरा भारतीय झंडे का निशान देखकर प्रधानमंत्री ने उसे उठाकर अपनी जेब में रख लिया था। राहुल विदेश जाकर भारत की चुनावी व्यवस्था और लोकतंत्र की आलोचना करते हैं।

राहुल को नहीं दिखती आईएमएफ, मूडीज की रिपोर्ट

भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक आशीष ऊषा अग्रवाल ने 'एक्स' पर गांधी पर विदेशी धरती पर बार- बार भारत की नकारात्मक छवि पेश करने का आरोप लगाया और कहा यही 'सिलसिला बार बार दोहराया' जा रहा है। दुनिया भारत को सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक मानती है, वहीं राहुल देश की अर्थव्यवस्था को 'आर्थिक आपदा' के रूप में पेश करने में जुटे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और वैश्विक वित्तीय सेवा एवं जोखिम मूल्यांकन कंपनी 'मूडीज' ने भारत की आर्थिक विकास दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है।

समुद्री टोही अभियानों के 50 वर्ष पूर्ण



समुद्री निगरानी के 5 दशक

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना 18 नवंबर 2026 को अपनी लंबी दूरी के समुद्री टोही अभियानों की स्वर्ण जयंती का उत्सव मना रही है। यह महत्वपूर्ण अवसर भारतीय नौसेना वायु स्क्वाड्रन (आईएलएएस) 312, जिसे 'अल्बाट्रॉस' के नाम से जाना जाता है, की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के साथ जुड़ा हुआ है। यह उपलब्धि भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए पांच दशकों से जारी हवाई निगरानी और सतर्कता का प्रतीक है।

'अल्बाट्रॉस' के नाम से प्रसिद्ध भारतीय नौसेना वायु स्क्वाड्रन 312

मिसाइल प्रणाली को मिलेगी नई ताकत

रक्षा मंत्रालय का इजराइल संग 1,976.40 करोड़ रुपए का करार

संवाददाता / नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के जहाजों पर तैनात बराक प्वाइंट डिफेंस मिसाइल प्रणाली के उन्नयन और पुराने पड़ रहे पुर्जों के प्रबंधन के लिए इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अनुबंध की कुल लागत 1,976.40 करोड़ रुपए है। अन्य पूंजीगत खरीद प्रक्रिया के तहत इस अनुबंध पर 18 नवंबर को नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इस प्रणाली के



राजेश सिंह की उपस्थिति में एमओयू

उन्नयन से भारतीय नौसेना के पोतों पर बेहतर मारक सुविधाएं उपलब्ध होंगी और उनकी लंबी दूरी तक हवाई खतरों से रक्षा करने की क्षमता बढ़ेगी। अनुबंध के तहत प्रणाली के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का व्यापक उन्नयन किया जाएगा।

लश्कर-ए-तैयब का आखिरी स्थानीय आतंकी लतीफ भट ढेर

गृह मंत्री शाह ने जवानों को दी बधाई, बोले साहस को नमन, बेहतर तालमेल का परिणाम

संवाददाता / नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आखिरी ज्ञात सक्रिय स्थानीय आतंकवादी लतीफ भट के मारे जाने पर 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि इस पूरे अभियान को जम्मू-कश्मीर पुलिस (जेकेपी), भारतीय सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और खुफिया एजेंसियों के समन्वित प्रयासों से अंजाम दिया गया। गृह मंत्री ने कहा कि पूरे ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा



आतंकी के मारे जाने पर जवान खुश

एजेंसियों के बीच बेहद उच्च स्तर का तालमेल देखने को मिला। उन्होंने जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ और खुफिया एजेंसियों के बहादुर जवानों को सलाम करते हुए कहा कि देश उनके साहस को नमन करता है।

स्थानीय भर्ती लगभग शून्य हुई

जम्मू और कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने बताया कि पिछले दो वर्षों में स्थानीय आतंकवादियों की भर्ती लगभग शून्य हो गई है। डीजीपी ने कहा कि सुरक्षा बलों ने आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को ध्वस्त करने में बड़ी सफलता हासिल की है। दो वर्षों में केवल दो कश्मीरी युवा लश्कर-ए-तैयबा में शामिल हुए थे। दोनों को मार गिराया।

भारत-जापान के बीच बढ़ता रक्षा, सुरक्षा और समुद्री सहयोग

दोनों देश खुले और नियम-आधारित हिंद प्रशांत क्षेत्र के पक्षधर

राजनाथ सिंह ने योकोसुका स्थित जापान नौसैनिक अड्डे जेएस नातोरी का किया दौरा



संवाददाता / नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत और जापान के बीच बढ़ता समुद्री सहयोग स्वतंत्र, खुले और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति दोनों देशों के गहरे विश्वास और साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ योकोसुका स्थित जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स के नौसैनिक अड्डे का दौरा किया।

गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया

जापान पहुंचने के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरुआत रक्षा मंत्रालय के दौरे से की, जहां उनके जापानी समकक्ष ने उनका स्वागत किया। जापान के रक्षा मंत्रालय में राजनाथ सिंह को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। इसके बाद दोनों मंत्रियों ने मंत्रालय में संक्षिप्त बातचीत की। उसके बाद, दोनों मंत्री जापान सेल्फ-डिफेंस फोर्सेज (जेएसडीएफ) के हेलीकॉप्टर से जेएमएसडीएफ के नौसैनिक अड्डे पहुंचे। नौसैनिक अड्डे पर दोनों मंत्रियों ने मोगामी श्रेणी के बहुउद्देशीय युद्धपोत 'जेएस नातोरी' का दौरा किया।

रक्षा उत्पादन नई ऊंचाई पर

राजनाथ सिंह ने टोक्यो में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का रक्षा क्षेत्र आत्मनिर्भरता से आगे बढ़कर वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। आज भारत रक्षा उत्पादों का बड़े पैमाने पर निर्यात कर रहा है, वहीं देश का रक्षा उत्पादन अभूतपूर्व गति से बढ़ रहा है। थलसेना, नौसेना और वायुसेना की बढ़ती क्षमता से लेकर स्वदेशी रक्षा उत्पादन तक, भारत की रक्षा शक्ति नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है।

7.8% की विकास दर से भारत बढ़ रहा

रक्षा मंत्री ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों और पश्चिम एशिया के संकट के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी विकास गति बनाए रखी है। लगभग 7.8% की विकास दर के साथ भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। यह भारत की आर्थिक मजबूती और विकास की निरंतरता को दर्शाता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बढ़ती मांग के बीच आईओसी द्वारा पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सप्लाई जारी रखी



मुंबई। इंडियनऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड देश के विभिन्न क्षेत्रों में ईंधन की मांग में वृद्धि के बावजूद पेट्रोल (एमएस), डीजल (एचएसडी) और एलपीजी की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अपने संचालन और लॉजिस्टिक्स समन्वय को लगातार जारी रखे हुए है। बढ़ी हुई मांग के पीछे विभिन्न कारण हैं, जैसे ग्रामीण कृषि क्षेत्रों में मौसमी जुताई और कटाई गतिविधियां। इसके अलावा, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के अलावा अन्य आपूर्तिकर्ताओं के बीच मूल्य अंतर के कारण ग्राहकों का रुझान सार्वजनिक क्षेत्र के रिटेल आउटलेट्स की ओर बढ़ा है। साथ ही संस्थागत और व्यावसायिक उपभोक्ताओं के रिटेल फ्यूल आउटलेट्स की ओर स्थानांतरण के कारण अतिरिक्त मांग भी उत्पन्न हुई है। इंडियनऑयल अपने देशव्यापी टर्मिनलों, डिपो, पाइपलाइनों, एलपीजी बॉटलिंग प्लांट्स और रिटेल आउटलेट्स के विस्तृत नेटवर्क के माध्यम से निर्बाध आपूर्ति बनाए हुए है। आपूर्ति टीमें, परिवहन नेटवर्क, टर्मिनल संचालन और चयनित रिटेल आउटलेट्स चौबीसों घंटे कार्यरत हैं, ताकि बाजारों में उत्पादों की निर्बाध आवाजाही और समय पर पुनःपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। साथ ही, निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इंडियनऑयल राज्य प्रशासन के साथ निकट समन्वय बनाए हुए है। इंडियनऑयल उपभोक्ताओं को आश्वस्त करना चाहता है कि देशभर में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और सुचारु एवं निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे सामान्य खरीदारी व्यवहार जारी रखें और घबराहट में अतिरिक्त खरीदारी से बचें। साथ ही, ईंधन उपलब्धता से संबंधित सटीक जानकारी के लिए उपभोक्ताओं से केवल इंडियनऑयल की अधिकृत एजेंसियों द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने का अनुरोध किया गया है।

बढ़ी कीमतें और आयात शुल्क में वृद्धि से घट सकती है बिक्री

सोने के आभूषणों की बिक्री 2026-27 में 13-15% तक घटने का अनुमान: क्रिसिल

मुंबई हलचल / मुंबई

सोने की बढ़ी कीमतों और आयात शुल्क में हाल की वृद्धि से देश के संगठित स्वर्ण आभूषण खुदरा क्षेत्र की बिक्री मात्रा के लिहाज से चालू वित्त वर्ष में 13-15 प्रतिशत तक घट सकती है। क्रिसिल रेटिंग्स ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया।

रेटिंग एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि पिछले वित्त वर्ष में भी सोने के बने आभूषणों की बिक्री में आठ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में सोने की ऊंची कीमतों की वजह से प्रति इकाई अधिक मूल्य हासिल होने से इस क्षेत्र का राजस्व 20-25 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है।

नकद प्रवाह से कंपनियों की ऋण स्थिति स्थिर रहेगी

रिपोर्ट के मुताबिक, ऊंची कीमतों के कारण अधिक माल रखने की लागत और बैंक ऋण पर खर्च बढ़ेगा, लेकिन बेहतर राजस्व और नकद प्रवाह से कंपनियों की ऋण स्थिति स्थिर बनी रहेगी। 2025-26 में भारत ने 720 टन सोने का आयात किया, जिससे 72 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा बाहर गई।

व्यापार घाटा कम करने बढ़ाई सीमा शुल्क

सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के बीच अपना व्यापार घाटा कम करने और रुपये को समर्थन देने के उद्देश्य से हाल ही में सोने पर सीमा शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। पिछले वित्त वर्ष में वैश्विक अनिश्चितताओं और रुपये में कमजोरी के कारण घरेलू सोने की कीमतों में 55 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे सोना खरीद पाने की क्षमता पर असर पड़ा है।



- पिछले वित्त वर्ष में भी आठ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी
- इस क्षेत्र का राजस्व 20-25 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना
- 720 टन सोने के आयात से 72 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा बाहर गई

सीमा शुल्क में वृद्धि एक बड़ी बाधा : क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक हिमांक शर्मा ने कहा, "सीमा शुल्क में वृद्धि सोने की मांग के लिए एक बड़ी बाधा साबित होगी और चालू वित्त वर्ष में आभूषण क्षेत्र की बिक्री मात्रा 13-15 प्रतिशत घटकर 620-640 टन रह सकती है जो एक दशक का निचला स्तर होगा।"

कम कैरेट के आभूषणों की ओर रुख : ऐसी स्थिति में उपभोक्ता हल्के वजन और कम कैरेट (16-22 कैरेट) के आभूषणों तथा जड़ाई गहनों की ओर रुख कर रहे हैं। पिछले दो वित्त वर्षों में सोन में निवेश की मांग बढ़ी है। इसमें सोने की छड़ (बार) और सिक्कों की बिक्री 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ी जबकि आभूषणों की बिक्री 25 प्रतिशत घट गई।

आयात शुल्क में और बदलाव की संभावना

रेटिंग एजेंसी के सह निदेशक गौरव अरोड़ा ने कहा कि आभूषणों के संगठित खुदरा विक्रेता फ्रेंचाइजी मॉडल के जरिए सावधानीपूर्वक विस्तार कर रहे हैं, जिससे पूंजी दक्षता बढ़ रही है और छोटे शहरों तक उनकी पहुंच बन रही है। हालांकि, रिपोर्ट कहती है कि सोने की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव, आयात शुल्क में आगे और बदलाव की संभावना और उपभोक्ता मांग में परिवर्तन जैसे जोखिमों पर नजर रखना जरूरी होगा।

सोना 600 रुपये फिसला चांदी स्थिर

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 600 रुपये टूटकर 1.64 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रही। अमेरिका-ईरान बातचीत में शुरुआती प्रगति के कारण कीमती धातुओं की खरीद कम हुई है। स्थानीय बाजार में, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 600 रुपये गिरकर 1,64,900 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रही। हालांकि, सराफा बाजार में चांदी की कीमत 2,71,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सुबह उठते ही करेंगे ये 2 काम तो स्किन कभी नहीं होगी सांवली



सूर्य की हानिकारक विकिरणों, धूल- मिट्टी, प्रदूषण का बुरा असर सबसे पहले त्वचा पर पड़ता है। इसके कारण त्वचा जल्दी सांवली होने लगती है। त्वचा को प्रदूषण से बचाने और स्किन को साफ करने के लिए आप कई क्रीमों का इस्तेमाल करते तो हैं लेकिन उससे कोई खास फायदा नहीं होता है। इसकी बजाए अगर आप सुबह उठकर सिर्फ २ काम करेंगे तो कई स्किन प्रॉब्लम आपसे दूर रहेंगी और त्वचा सांवली भी नहीं होगी। इससे स्किन को कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होगा।

सुबह उठते ही करें ये काम

1. चेहरे को धोना : सुबह उठते ही सबसे पहले अपने चेहरे को ठंडे पानी से अच्छी तरह धो लें। सुबह चेहरे को अच्छी तरह धोने से धूल-मिट्टी और गंदगी साफ हो जाती है। इससे चेहरे पर निखार और चमक आती है। मगर इस बात का ध्यान रखें कि चेहरा धोने के लिए फेसवॉश और साबुन का इस्तेमाल न करें क्योंकि इसमें केमिक्ल होते हैं। यह न सिर्फ चेहरे को नुकसान पहुंचाते है बल्कि इससे स्किन रूखी भी होने लगती है। इसके अलावा इससे चेहरे की चमक भी चली जाती है।

2. ब्रेकफास्ट हल्का-फुल्का खाएं : सुबह के ब्रेकफास्ट में हल्का-फुल्का भोजन करें और मसालेदार भोजन से दूर रहें। मसालेदार भोजन से चेहरे पर दाग-धब्बे और कील-मुहांसे की समस्या हो जाती है। इसके अलावा इससे पेट में गैस, एसिडिटी और कब्ज की शिकायत रहती है, जिसका असर चेहरे पर भी होता है। सुबह के समय हमेशा दलिया, ओट्स, हरी सब्जियां और फलों का सेवन करे। इससे त्वचा पर निखार और चमक बनी रहेगी।

विटामिन और फाइबर का पावरहाउस हैं भिंडी और ये ७ सब्जियां



घर के बड़ेअक्सर बच्चों को सब्जी खाने की नसीयत देते हैं। वहीं, हरी सब्जियों को देखते ही बच्चों का मुंह बन जाता है। इस–के लिए वे कई तरह के बहाने भी बनाते हैं। सब्जियां विटामिन,खनिज पदार्थ और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होती है। इनकी अनदेखी करने से शरीर में कई तरह की कमियां आने लगती हैं वहीं, प्रोटीन्स, फाइबर्स और मिनरल्स से भरपूर वेजीटेबल जवां और सेहतमंद रखने में मददगार हैं।

1. कद्दू - कद्दू का नाम सुनते लोग दूर भागते हैं लेकिन इसमें फोलिक एसिड, विटामिन सी,जिंक और मैगनीज भरपूर मात्रा में शामिल होते हैं। यह स्किन और हड्डियों के लिए बहुत लाभकारी है।

2. करेला - कड़वा करेला सेहत को लिए बहुत बढ़िया है। तेजी से वजन घटाना चाहते हैं तो करेले का सेवन करें। इससे डायबिटीज और कब्ज से भी राहत मिलती है।

3. बैंगन - फाइबर से भरपूर बैंगन कोलेस्ट्रॉल लेवल को घटाने का काम करता है। इसके अलावा ब्लड शूगर के मरीजों के लिए भी यह बहुत फायदेमंद है।

4. भिंडी - भिंड़ी में फाइबर की मात्रा भरपूर और सोडियम की मात्रा बहुत कम होती है। यह कैलोरी को कम करने में मददगार है। इसके अलावा ब्लड प्रैशर और दिल के मरीजो के लिए भी यह सब्जी बहुत लाभकारी है।

5. फूलगोभी - मैग्नीज, फॉस्फोरस, विटामिन बी कंपोनेंट्स से भरपूर फूलगोभी में कैलरी, प्रोटीन और विटामिन सी की भी बहुत अच्छी मात्रा होती है। इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

6. तरोई - हरी सब्जियो में तरोई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह लिवर स्वस्थ,खून साफ, पाचन क्रिया बेहतर और किडनी के रोगों से राहत दिलाने का काम करती है।

7. फ्रेंच बीन्स - फ्रेंच बीन्स यानि फलियां विटामिन ए,सी बी आदि सहित कई खनिज पदार्थों से भरपूर होती हैं। यह वजन घटाने और पेट की समस्याओं के लिए बैस्ट है।

योग म्यूजिक सुनने से दिल रहेगा हमेशा स्वस्थ



सोने से पहले योगा म्यूजिक सुनना घातक दिल के दौरे को रोक सकता है। यह दावा एक नए शोध के आधार पर किया जा रहा है। इसके अनुसार सोने से पहले ध्यान केंद्रत करने वाला मधुर संगीत सुनने से दिल की धड़कन की परिवर्तनशीलता बेहतर होती है। इससे खतरे या विश्वाम की अवस्था में खून पम्प करने की अपनी गति बदलने का काम बेहतर ढंग से कर सकता है। इससे पिछले एक शोध से पता चला था कि दिल की धड़कन में परिवर्तनशीलता की कम क्षमता होने से दिल के दौरे या स्ट्रोक का जोखिम 45 प्रतिशत तक बढ़ जाता है, जिससे उनकी मौत होने की संभावना भी अधिक हो जाती है।

विज्ञान के अनुसार योगा के लाभ

➤ गत वर्ष अगस्त में हुए एक शोध के बाद पता चला है कि योगा सैंट्रल नर्वस सिस्टम को लाभ पहुंचाता है। रोगों से लड़ने की शक्ति को मजबूत करता है और ध्यान केंद्रण में भी मदद करता है।

➤ एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि इस प्राचीन आध्यात्मिक अभ्यास से चिंता तथा अवसाद भी कम हो जाता है। इसके साथ ही इससे व्यक्ति अधिक सजग रहता है।

➤ योगा तनाव से निपटने में मदद करने वाले विशेष्ट प्रोटीन्स तथा हार्मोंस के स्तर को भी बढ़ाता है।

➤ स्वस्थ शरीर के लिहाज से योगा और ध्यान लगाने से शरीर में सूजन कम होती है। इससे सैंट्रल नर्वस सिस्टम तथा इम्यून सिस्टम बेहतर ढंग से काम कर पाते हैं।

➤ योगा म्यूजिक सुनने से व्यक्ति की धड़कन में भिन्नता बढ़ जाती है और इससे घबराहट कम होती है। इसके साथ ही इससे आप खुश भी रहते हैं।

ध्यान लगाने के लाभ

1. मैडीटेशन यानी ध्यान लगाने से तनाव कम होता है।

2. एक रिपोर्ट के मुताबिक, ध्यान लगाने से दिल की बीमारी का जोखिम पैदा करने वाले कारण खत्म होते हैं। खासकर इससे रक्तचाप, चिंता तथा अवसाद का स्तर कम हो जाता है।

3. यह लोगों को धूम्रपान छोड़ने में भी मदद कर सकता है, जिससे दिल का घातक दौरे का खतरा कम हो जाता है।



दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

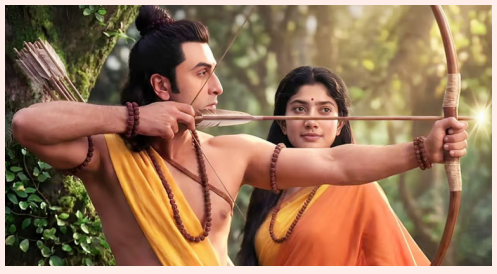


तारा सुतारिया ने खोले इंडस्ट्री के कई कड़वे राज

एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने हाल ही में अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए एक ऐसी ही कड़वी सच्चाई सबके सामने रखी, जिसने हर किसी को हैरानी में डाल दिया। मरजावां और अपूर्वा जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग का डंका बजा चुकी तारा सुतारिया ने बताया कि कैसे शुरुआती दौर में उन्हें कई बार फिल्मों से बिना बताए हटा दिया गया और उनकी जगह किसी और को ले लिया गया। तारा सुतारिया के अनुसार शुरुआती दिनों में जब वह किसी फिल्म का हिस्सा बनने वाली थीं, तब अचानक उन्हें मालूम हुआ कि अब वह उस प्रोजेक्ट में नहीं हैं। किसी और कलाकार को उनकी जगह पर फिल्म में ले लिया गया था। तारा ने कहा कि यह सब जिस तरीके से सामने आया, वह बेहद दुखद था। शुरुआत में उन्हें फिल्म इंडस्ट्री और इस पेशे की कार्यप्रणाली ही समझ नहीं आती थी। बार-बार ऐसी स्थिति का सामना करना उनके लिए काफी दर्द भरा रहा। तारा सुतारिया ने यह भी बताया कि कई मौकों पर उन्हें बाहर करने के जो तर्क दिए जाते थे, उनमें कोई ठोस आधार या तार्किकता नहीं होती थी। तारा कहती हैं कि इन यादों को इतनी आसानी से भूला नहीं जा सकता। आज भी वह उन घटनाओं के बारे में सोचती हैं। हालांकि समय के साथ उन्होंने यह समझा कि फिल्म इंडस्ट्री में ऐसा अनुभव सिर्फ उनके साथ ही नहीं हुआ, बल्कि कई बाकी कलाकारों को भी इस दौर से गुजरना पड़ा है।

दूसरों की सलाह मानने से किया साफ मना

तारा सुतारिया ने खुलासा किया कि जब उन्होंने खुद को कई फिल्मों से हटाए जाने के कारण जानने की कोशिश की, तो वहां अलग ही तरह के समीकरण चलते दिखाई दिए। उनके मुताबिक बीते सालों में उनसे अक्सर यह कहा गया कि वह हर बात सह लें और खुद को कठोर बना लें। लेकिन तारा का मानना है कि संवेदनशील बने रहना और हर बात को सहकर कठोर न होना ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।



बॉक्स ऑफिस पर 'रामायण' का महा-तांडव

रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश स्टारर 'रामायण' इन दिनों तहलका मचा रही है। नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म ने सिनेमाघरों में 2 हफ्ते पूरे कर लिए हैं, लेकिन दर्शकों के बीच इसका क्रेज कम होने का नाम नहीं ले रहा है। फिल्म ने अब तक वर्ल्डवाइड 1519.05 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। 1500 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार करना फिल्म के लिए एक बड़ी सफलता है। दूसरे वीक में भी फिल्म की कमाई करोड़ों में जारी है। घरेलू बाजार से लेकर विदेशी सिनेमाघरों तक रामायण का दबदबा देखने को मिल रहा है। फिल्म की रिलीज का दूसरा हफ्ता पूरा होने के बाद भी फिल्म ने अपनी पकड़ बनाए रखी है। रिपोर्ट के अनुसार रिलीज के 14वें दिन फिल्म ने भारत में सभी भाषाओं को मिलाकर 23.20 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कियाके 13वें दिन फिल्म ने 28.60 करोड़ रुपये कलेक्शन किया था। ऐसे में 14वें दिन के कलेक्शन में करीब 18.9 प्रतिशत की गिरावट आई, लेकिन 2 हफ्ते पुरानी फिल्म के लिए 23 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन करना बड़ी बात है। इस दिन देशभर में फिल्म के 22,289 शोज चलाए गए।

मिस यूनिवर्स बनते ही सुष्मिता सेन के सामने आई ऐसी मुसीबत

साल 1994 भारतीय इतिहास के लिए बेहद खास रहा। इसी साल सुष्मिता सेन ने सिर्फ 18 साल की उम्र में मिस यूनिवर्स क्राउन जीतकर पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन किया था। वह यह ताज जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। उनकी इस सक्सेस ने उन्हें रातोंरात अंतरराष्ट्रीय पहचान दिला दी। इसके बाद उनके पास कार्यक्रमों में शामिल होने, इंटरव्यू देने और अलग-अलग देशों की यात्रा करने के इंविटेशन आने लगे। हालांकि, छोटी उम्र में इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करने के बाद सुष्मिता सेन सिर्फ फेमस ही नहीं हुई, बल्कि उन्हें कई ऐसी परिस्थितियों का भी सामना करना पड़ा, जिनके लिए वह पहले से तैयार नहीं थीं। ऐसी ही एक घटना मेक्सिको की है, जहां एक आधिकारिक डिनर पार्टी में पहुंचकर वह बुरी तरह फंस गई थीं। मिस यूनिवर्स बनने के बाद सुष्मिता सेन को मेक्सिको सिटी में एक डिनर पार्टी में शामिल होने के लिए भेजा गया था। इस पार्टी में उन्हें चीफ गेस्ट गया था। उस समय उनकी उम्र सिर्फ 18 साल थी और उन्हें इंग्लिश बोलने में भी काफी दिक्कत होती थी। सुष्मिता ने एक इंटरव्यू में इस घटना को याद करते हुए बताया था कि उन्हें फाइन डाइनिंग और टेबल मैनर्स मालूम नहीं थे। वह डिनर टेबल पर सबसे खास जगह की सीट पर बैठी थीं। उनके आसपास कई लोग मौजूद थे और सामने सात कोर्स का खाना परोसा जाना था। सुष्मिता को उस समय बहुत तेज भूख लगी थी। वह चाहती थीं कि कोई खाना शुरू करे, ताकि वह भी खाना शुरू कर सकें। लेकिन काफी देर तक किसी ने खाना नहीं छुआ। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि आखिर सभी लोग किसका इंतजार कर रहे हैं। इस पूरी घटना में सबसे मजेदार क्षण तब आया, जब सुष्मिता सेन ने अपनी ट्रैवल मैनेजर बारबरा की तरफ देखकर इशारों में बताया कि उन्हें बहुत भूख लगी है।

